Mail-ID- upjnrprayagraj@upjn.co.in मो0.नं0. 9473942662

उत्तर प्रदेश जल निगम(ग्रामीण)
खण्ड कार्यालय,तुलापुर पानी की टंकी, झूँसी,प्रयागराज।

पत्रांक 1093 / W-19 / 308 दिनांक 23.05.2026

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता(ग्रामीण),
उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण),
लखनऊ।

विषयः– दैनिक समाचार पत्र दैनिक जागरण में दिनांक 21.05.2026 को प्रकाशित खबर ''जल निगम के फर्जी भुगतान में थर्ड पार्टी एजेंसिया भी घिरी'' के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक दैनिक समाचार पत्र दैनिक जागरण में दिनांक 21.05.2026 को प्रकाशित खबर **''जल निगम के फर्जी भुगतान में थर्ड पार्टी एजेंसियां भी घिरी''** शीर्षक के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जनपद प्रयागराज जनपद के निर्मित/निर्माणाधीन पेयजल योजनाओं से सम्बधित प्राप्त शिकायतों के आधार पर प्रबन्ध निदेशक महोदय एवं संयुक्त प्रबन्ध निदेशक द्वारा अनुमोदनोंपरान्त अधीक्षण अभियन्ता(टी0ए0सी0), प्रधान कार्यालय उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), लखनऊ के पत्र सं0 10/टी0ए0सी0–010–0125/ग्रामीण/2026 दिनांक 22.04.2026 द्वारा उक्त कार्यों की टी0ए0सी0 जांच टीम गठित की गयी है। उक्त योजनाओं की जांच/सत्यापन प्रक्रियाधीन है।

सादर सूचनार्थ प्रेषित।

भवदीय

(एस0एस0 परमार)
अधिशासी अभियन्ता

पृ0सं0 एवं दिनांक उपरोक्त–
प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–
1–अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ।
2– मुख्य अभियन्ता(का0क्षे0), उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), कानपुर।
3– अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), प्रयागराज।
4– मुख्य विकास अधिकारी, प्रयागराज ।
5– अपर जिलाधिकारी, नमामि गंगे एवं जलापूर्ति विभाग, प्रयागराज।
6– जिला सूचना अधिकारी, प्रयागराज।

अधिशासी अभियन्ता

जल निगम के फर्जी भुगतान में थर्ड पार्टी एजेंसियां भी घिरीं

- 20 करोड़ के फर्जी भुगतान में एसई-एक्सईएन व एई-जेई के खिलाफ चल रही जांच
- नई टंकियों के साथ पुरानी टंकियों का कराया गया फर्जी भुगतान, टीपीआइ की भी जांच

जासं, प्रयागराज : जल जीवन मिशन में प्रयागराज जिले के इंजीनियरों द्वारा लगभग 20 करोड़ रुपये के फर्जी भुगतान के मामले में थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन एजेंसियां (टीपीआइए) भी घिरती जा रही हैं, क्योंकि हर भुगतान के पहले टीपीआइए को सत्यापन रिपोर्ट देनी होती है। अब इन एजेंसियों की भी जांच कराई जाएगी। इसके लिए जल निगम के नोडल अधिकारी व एडीएम नमामि गंगे संजीव शाक्य ने इन एजेंसियों को नोटिस भेजकर भुगतान की फाइल तलब की है।

जल निगम में जनवरी से मार्च तक पानी की नई व पुरानी टंकियों के मरम्मत कार्य के लिए लगभग 20 करोड़ रुपये के फर्जी भुगतान करा लिए गए। इसमें तत्कालीन अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंता रहे प्रवीण कुमार कुट्टी पर गंभीर आरोप लगे हैं। साथ ही चार अवर व सहायक अभियंताओं पर इस फर्जी भुगतान में शामिल होने के आरोप हैं।

शासन स्तर पर इसे गंभीरता से लिया गया है और जल निगम के लखनऊ स्थित मुख्यालय में तैनात मुख्य अभियंता एके सिंह को जांच सौंपी गई है। मुख्य अभियंता के निर्देश पर लखनऊ से आयी टेक्निकल जांच में जुट गई है।

आरोप है कि पानी की टंकियों की जलापूर्ति लाइन में लीकेज दूर करने के नाम पर करोड़ों रुपये का भुगतान करा लिया गया है, जबकि लाइन में लीकेज था ही नहीं। इसके अलावा कई पुरानी टंकियों को रेट्रोफिटिंग में ले ली गई थीं, जो बिल्कुल ठीक थीं। मतलब, इनमें भी फर्जी भुगतान का बड़ा खेल हुआ है। जिस समय ये भुगतान हुए हैं उस समय एसई और एक्सईन दोनों पद पर प्रवीण कुट्टी तैनात थे, जो अब आजमगढ़ में तैनात हैं। जांच कमेटी जल्द ही उनसे भी पूछताछ करेगी और उनका जवाब तलब करेगी।

एडीएम नमामि गंगे संजीव शाक्य ने बताया कि जल निगम में भुगतान के मामले में इंजीनियरों के खिलाफ शुरू की गई जांच और भुगतान के बारे में उन्हें जानकारी तक नहीं दी गई है। अब सभी कार्यों से लेकर भुगतानों का विस्तृत ब्यौरा तलब किया गया है। साथ ही थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन एंजेसियों से भी पूरी फाइल मांगी गई है। इसके बाद आगे की कार्यवाही कराई जाएगी।